संपादकीय....

क्या इटावा में बदमाशों के दिल से खत्म हो गया पुलिस का डर?

इटावा पुलिस लगातार अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। हाल ही में थाना जसवंतनगर क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी लूट की योजना बना रहे थे और मुठभेड़ के दौरान घायल होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस और मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। लेकिन इस पूरी घटना के बाद सामने आए वीडियो ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में घायल बदमाश पुलिस के कंधे का सहारा लेकर चलते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उनके चेहरे पर डर नहीं, बल्कि मुस्कान दिखाई दे रही है। यही नहीं, वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी भी सहज और मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। सवाल यह उठता है कि क्या इटावा में बदमाशों के मन से पुलिस का भय खत्म होता जा रहा है? आखिर गंभीर आपराधिक मामलों में पकड़े गए आरोपी यदि कैमरे के सामने बेखौफ मुस्कुराते दिखें, तो यह कानून व्यवस्था की छवि पर सवाल खड़ा करता है। आम जनता पुलिस कार्रवाई में सख्ती और अपराधियों के चेहरे पर डर देखना चाहती है, लेकिन ऐसे दृश्य समाज में अलग संदेश देते हैं। हालांकि पुलिस की कार्रवाई सराहनीय है और अपराधियों की गिरफ्तारी निश्चित रूप से बड़ी सफलता मानी जाएगी, लेकिन अपराधियों के हावभाव और पुलिस के व्यवहार को लेकर चर्चा होना स्वाभाविक है। कानून का भय केवल कार्रवाई से नहीं, बल्कि उसके प्रभाव से भी दिखना चाहिए। आज जरूरत केवल अपराधियों को पकड़ने की नहीं, बल्कि समाज में यह विश्वास कायम करने की भी है कि कानून का उल्लंघन करने वालों के मन में पुलिस और कानून का स्पष्ट भय बना रहे।

३० मई को आयोजित होगा एकदिवसीय रमाई साहित्य सम्मेलन

सम्मेलन की अध्यक्ष होंगी विद्रोही कवयित्री रमणी सोनवणे

पुणे : महामाता रमाई भीमराव आंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक की ओर से महामाता रमाई भीमराव आंबेडकर की ९१वीं पुण्यतिथि तथा स्मारक के ८वें स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार, ३० मई २०२६ को एकदिवसीय 'रमाई साहित्य सम्मेलन' का आयोजन किया गया है। सम्मेलन की अध्यक्ष के रूप में विद्रोही कवयित्री, लेखिका, व्याख्याता और अभिनेत्री प्रा. रमणी सोनवणे का चयन किया गया है। इसकी जानकारी सम्मेलन के मुख्य समन्वयक विठ्ठल गायकवाड ने पत्रकार परिषद में दी।

इस अवसर पर एडवोकेट नितीन घोडके, एडवोकेट क्षितिज खरात, संजोग कांबळे, पूर्व नगरसेविका लतातार्ई राजगुरु, श्रीमंत कोतले सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विठ्ठल गायकवाड ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और महामाता रमाई आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित कर की जाएगी। इसके बाद सर्वधर्म प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह आयोजित होगा।

सुबह के सत्र में 'मैं राजगृह की रमाई बोल रही हूं' नामक एकल अभिनय कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा, जिसका मंचन प्रा. रमणी सोनवणे करेंगी। दोपहर के सत्र में 'रमाई और भीमराव के बच्चों का कवि सम्मेलन' आयोजित होगा, जिसमें लोककवि भगवान धेंडे सहित अन्य कवि भाग लेंगे।

शाम के सत्र में साहित्य सम्मेलन की अध्यक्ष प्रा. रमणी सोनवणे का अध्यक्षीय भाषण, प्रस्ताव वाचन, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान तथा 'आम्ही भारताचे लोक आंबेडकरी सांस्कृतिक चळवळ' की ओर से कविता, गजल और गीत-संगीत का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं स्वरांजली संगीत समूह द्वारा विशेष संगीत संध्या भी प्रस्तुत की जाएगी।

प्रा. रमणी सोनवणे विद्रोही कवयित्री, लेखिका, व्याख्याता, अभिनेत्री और समतावादी आंदोलन की सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उन्होंने एम.ए. और नेट (राजनीति विज्ञान) की शिक्षा प्राप्त की है तथा वर्तमान में मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स में कार्यरत हैं।

वे १६ वर्ष की आयु से अभिनय, लेखन और कविताओं के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का कार्य कर रही हैं। 'सावित्रीबाई फुले', 'हां, मैं राजगृह की रमाई बोल रही हूं' और 'मैं आपकी राजमाता जिजाऊ' जैसे एकल अभिनय कार्यक्रमों के जरिए वे समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही हैं। साथ ही गरीब विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करती हैं।

गंगा दशहरा पर जल संरक्षण का संदेश, खेमसागर तालाब का होगा जीर्णोद्धार

रीवा ,एमपी (अनिल सिंह) : राजेन्द्र शुक्ल ने गंगा दशहरा के अवसर पर रीवा जिले के ग्राम लोही स्थित खेमसागर तालाब में आयोजित जल संरक्षण एवं जन जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने खेमसागर तालाब के जीर्णोद्धार और सुंदर घाट निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम में जल पूजन, गंगा कलश यात्रा और जल संवर्धन को लेकर जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जितना पानी जमीन से निकाला जाए, उससे अधिक पानी धरती में वापस पहुंचाने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने तालाबों, नदियों और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण, साफ-सफाई तथा वाटर हार्वेस्टिंग को जरूरी बताते हुए आमजन से इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एमआईटी डब्ल्यूपीयू की अनोखी पहल

स्टार्टअप्स के लिए ई-मोबिलिटी सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस सेंटर माइलस्टोन

इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री, फैकल्टी और स्टूडेंट्स की ट्रेनिंग के लिए सफल पहल

पुणे : इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के अध्ययन के लिए एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में बनाया गया सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और उससे जुड़ी टेक्नोलॉजी के फील्ड को बेहतर बनाने के लिए रिसर्च, डेवलपमेंट और स्किल डेवलपमेंट पर ज्यादा फोकस कर रहा है. साथ ही, ३ सफल स्टार्टअप और ४५ अलग-अलग स्टार्टअप टीबीआई सेंटर पर काम कर रहे हैं. यह सेंटर उन लोगों को हर मुमकिन मदद देगा जो अपना स्टार्टअप सफलतापूर्वक शुरू करना चाहते हैं. यह जानकारी माइर्स एमआईटी के फाउंडर और सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के डायरेक्टर प्रोफेसर प्रकाश जोशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी.

इस मौके पर एमआईटी टीबीआई के सीइओ प्रसाद गोरे, ईएंडटीसी डिपार्टमेंट के हेड प्रो. डॉ. पारुल जाधव और एसोसिएट प्रो. डॉ. साकेत येवलेकर मौजूद थे.

इस सेंटर को एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट द्वारा चलाया जा रहा है. इस पहल का मुख्य उद्देश्य एकेडमिक ज्ञान और तेज़ी से विकसित हो रही इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री के बीच की खाई को पाटना है. प्रो. जोशी ने कहा कि इसका उद्देश्य इंडस्ट्री और एकेडमिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और ईवी टेक्नोलॉजी के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी है. डॉ. पारुल जाधव ने कहा कि सेंटर ईवी सेक्टर में प्रोजेक्ट डेवलपमेंट, कोलेबोरेटिव रिसर्च, करियर काउंसलिंग, स्टूडेंट्स और प्रोफेसर्स की ट्रेनिंग, इंडस्ट्रीज़ के साथ कंसल्टेशन, स्टार्टअप सपोर्ट और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खास काम कर रहा है.

'सीता की अनकही कथा' पुस्तक का विमोचन २८ मई को

रामायण के अनसुलझे प्रश्नों के मिलेंगे तर्कसंगत और प्रमाणिक उत्तर

पुणे, (विशाल सिंह) : MIT World Peace University, भारतीय विचार साधना तथा Motilal Banarsidass Publishers के संयुक्त तत्वावधान में अमेरिकी यहूदी लेखिका Dena Merriam द्वारा लिखित मूल अंग्रेज़ी पुस्तक " The Untold Story of Sita " के मराठी अनुवाद 'सीतेची न सांगितलेली कथा' का भव्य विमोचन समारोह २८ मई २०२६ को आयोजित किया जाएगा।

इस संबंध में पुस्तक के समन्वयक मुकुंद हिरवे एवं भारतीय विचार साधना, पुणे प्रकाशन के कार्यवाह काशीनाथ देवधर ने पत्रकार परिषद में जानकारी दी। यह समारोह २८ मई २०२६ को सायंकाल ५ बजे कोथरुड स्थित MIT World Peace University के संत श्री ज्ञानेश्वर सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में Vishva Hindu Parishad के मार्गदर्शक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इसके साथ ही एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के संस्थापक अध्यक्ष Dr. Vishwanath D. Karad आशीर्वचन देंगे। विश्वविद्यालय के कार्यकारी अध्यक्ष Dr. Rahul V. Karad विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि कुलगुरु Dr. R. M. Chitnis भी समारोह में सहभागिता करेंगे।

पुस्तक 'सीतेची न सांगितलेली कथा' में रामायण से जुड़े अनेक अनसुलझे प्रश्नों और रहस्यों के प्रमाणिक एवं तर्कसंगत उत्तर प्रस्तुत किए गए हैं। यह पुस्तक माता सीता के पारंपरिक चित्रण से आगे बढ़कर उन्हें देवी नारायणी के दिव्य स्वरूप में प्रस्तुत करती है। पुस्तक में बताया गया है कि जब मानव समाज प्रकृति से दूर होता जा रहा था, तब माता सीता भगवान श्रीराम के साथ पृथ्वी पर अवतरित होकर एक नई संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की स्थापना करती हैं।

सप्ताहिक विशाल समाचार इस समाचार पत्र के मालिक, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक देवेंद्रसिंह महिपालसिंह तोमर ने यह समाचार पत्र जय गणेश ऑपसेट २०/२/ए सोमवार पेठ, महाराजा लॉज के पीछे, पुणे -४११०११ से छपवाकर स.न.१३, ताडीवाला रोड,शिर्के टेलर के पास थ्रीस्टार हेअर सलून लेन नं९ खडडा झोपडपट्टी जनसेवा मित्रमंडल पुणे -४११००१ से प्रकाशित किया है। Mob.: ८०८७६२५२६७/९८२२७९४५६८ Email : vishalsamachar@gmail.com कार्यकारी संपादक : दयाशंकर तिवारी, RNI NO.: MAHHIN/2010/33648 DECL. NO. SDM PUNE/SR/07/2020. इस अंक में छपे लेख व विज्ञापन से संपादक सहमत हो ऐसा नहीं है। (न्यायालय विवाद के लिए न्यायक्षेत्र पुणे)